(b) the names of the States where this Board will function?

The Minister of Irrigation and Power (Dr. K. L. Rao): (a) A Flood Control Board has been constituted to ensure integrated planning, unified control and direction for speedy execution of flood control works in Delhi and its contiguous areas of Punjab and Rajasthan.

(b) The States of Punjab, Rajasthan and Uttar Pradesh and the Delhi Administration are represented on this Board. The Board will deal with the flood and drainage problem in Delhi and its adjoining areas.

Enquiry into Mundhra's Holdings in U.K.

440. Shri Dhuleshwar Meena: Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Shri Hari Das Mundhra has got holding worth £10 lakhs in London in respect of which an enquiry was held by the Company Law Administration and Enforcement Branch with the help of Scotland Yard;

(b) if so, how much expenditure has been incurred on the enquiry; and

(c) with what result?

The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): (a) to (c). The matter is under investigation at present and it would not be desirable to disclose any information about this case at the present stage.

राजस्थान नहर से पंजाब को पानी की सप्लाई

441. श्री गुलशन : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री 9 सितम्बर, 1965 के तारांकित प्रश्न संख्या 510 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान नहर से पंजाब को पानी देने के प्रश्न पर इस बीच पुन: विचार कर लिया गया है; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में क्या निर्णय किया गया है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्री (डा० कु० ल० राव) : (क) इस मामले पर विचार किया जा रहा है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

---

12 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTERS OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

(i) Accident on Railway Bridge near Sitamarhi

Shri P. K. Chakraverti (Dhanbad): I call the attention of the Minister of Railways to the following matter of urgent public importance and I request that he may make a statement thereon:—

> "The reported death of four persons and injuries to others as a result of being knocked down by a passenger train on a bridge over the river Bagmati on the 9th November, 1965.".

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): On the morning of 9-11-1965, at about 6.30 hrs. a large number of persons proceeding to the Kartik Purnima Mela were trespassing over the railway bridge No. 91-A situated at Km. 132/3—4 between Dhang and Bairagnia stations on Darbhanga-Narkatiaganj section of North Eastern Railway. At that time train No. 101 Up Darbhanga-Narkatiaganj Passenger approached the bridge. Nine of the trespassers who could not get clear were run over. Of these, four were killed and five others seriously injured.

The driver of the train on arrival at Bairagnia reported the incident at 6.45 hrs. Shortly thereafter a mob of people collected at the station and

[Dr. Ram Subhag Singh]

assaulted the driver, the guard and the station staff. The driver sustained serious injuries and some railway property was damaged.

The Government Railway Police and the civil authorities of Sitamarhi Sub Division were advised. A party of Government Railway Police arrived at the site at 9.45 hrs. About an hour later, the Sub Divisional Officer and the Asstt. Superintendent of Police of the district also arrived at the site.

The injured persons were brought to Bairagina and the local railway doctor attended to them. Thereafter the injured persons including the railway driver were taken to Sitamarhi Civil Hospital for further treatment. One of the injured persons expired on the morning of 10-11-65.

It is reported that the police have arrested eight persons for indulging in violence and are conducting investigations.

Shri P. R. Chakraverti: May I know whether any provision has been made for *ex gratia* payments to the people affected by this accident?

Dr. Ram Subhag Singh: We have appointed a committee of senior officers, and on receiving their report, we shall act according to that.

श्री यशपाल सिंह (कैराना) : जब से पाकिस्तान के साथ हमारी लड़ाई शुरू हुई है, हमारे हर एक पुल पर गार्ड्ज खड़े हुए हैं तो वहां पर जो गार्ड्ज तैनात थे, क्या उन्होंने जाने वालों को नहीं रोका और अगर इस तरह से ट्रैसपासिंग हुआ, तो फिर गार्ड्ज को रखने का क्या फ़ायदा है ?

डा० राम सुभग सिंह : माननीय सदस्य का तात्पर्य रेलवे गार्ड्ज से नहीं, बल्कि पुल पर पहरा देने वाले गार्ड्ज से है । इन सब बातों का पता पुलिस लगा रही है कि क्या क्या बातें हुई । जो खबर आयेगी, हम उस के आधार पर कोई फ़ैसला करेंगे ।

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि आठ व्यक्ति हिंसक कार्यवाही करते हुए पकड़े गए । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या उन व्यक्तियों का पंचमांगियों से सम्बन्ध था, क्या वे पंचमांगी थे, वे किस विचार के थे और वे किस प्रकार की कार्यवाही करते हुए पकड़े गए ? जो लोग मरे हैं, क्या उन के परिवार के लोगों को सूचना पहुंचा दी गई है ।

डा० राम सुभग सिंह : जब तक पूरी रिपोर्ट न मिले, मैं उन्हें पंचमांगी कैसे कह सकता हूं ?

श्री हुकम चन्द कछवाय : दूसरे भाग का भी उत्तर दिया जाय ।

अध्यक्ष महोदय : दूसरे भाग का जवाब पहले आ चुका है कि एक कमेटी मुकर्रर की गई है । उस की सिफ़ारिश आने पर फ़ैसला किया जायेगा ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या मरने वालों के परिवारों को सूचना पहुंचा दी गई है ?

डा० राम सुभग सिंह : सूचना पहुंचा दी गई है । हम इसके अलावा और भी ज्यादा करेंगे ।

Shri P. C. Borooah (Sibsagar): May I know whether it is not a rule that speed restrictions are to be observed by the crew of the engine when passing over a bridge?

Dr. Ram Subhag Singh: Yes, the rule is there and it is being observed and it has been observed.

श्री न० प्र० यादव (सीतामढ़ी) : मैं रेलवे मंत्री से यह जानना चाहता हूं कि जब डैग-बैरगिनिया रेलवे स्टेशनों के बीच बारामती

[श्री न० प० यादव]

नदी के पुल पर करीब हज़ार आदमी इकट्ठे जा रहे थे, तो फिर गाड़ी क्यों नहीं रोकी गई ?

डा० राम सुभग सिंह : इस बात की भी जांच होगी कि गाड़ी क्यों नहीं रोकी गई ?

श्री तुलशीदास जाधव (नांदेड़): ऐसे रेलवे पुलों पर बार-बार एक्सिडेंट्स होते हैं, जैसे जिला शोलापुर में सीना नदी के ब्रिज पर बहुत एक्सिडेंट्स होते है । नदी पर जो ब्रिज होते हैं, उस के साथ साथ दोनों तरफ फुटपाथ सरकार क्यों नहीं बनाती है, जिस से ये एक्सिडेंट्स न हों ? इस ब्रिज पर फुट पाथ था या नहीं, कोई दूसरा रास्ता था या नहीं ?

डा० राम सुभग सिंह : जैसा कि श्रीमान् जानते हैं, रेल के अनेक पुल ऐसे बने हुए है, हैं, जहां केवल रेलें ही चलती है । यह भी ऐसा ही पुल है ।

श्री विश्वनाथ पाण्डेय (सलेमपुर) : क्या सरकार इस दुर्घटना की जांच के लिए कोई उच्च कोटि की जांच समिति बिठाने का विचार कर रही है ?

डा० राम सुभग सिंह : जैसा कि मैं ने पहले बताया है कि एक सीनियर स्केल आफ़िसर्ज की कमेटी बहाल की गई है ।

श्री ब्रज बिहारी मेहरोत्रा (बिल्हौर) : क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि जब कार्तिक के मेले में हर साल लोग पुल पर से निकलते हैं, तो फिर इस साल वहां पर ट्रैफ़िक कंट्रोल का इन्तज़ाम क्यों नहीं किया गया है ?

डा० राम सुभग सिंह : मैं नहीं जानता कि हर साल की बात कहां तक सही है, लेकिन वहां दोनों ओर वार्निंग का निशान लगाया गया है कि नहीं चलना चाहिए, मगर यह दुर्घटना हुई है । इन सब बातों को देखा जायेगा ।

12.7 hrs.

RE: CALLING-ATTENTION-NOTICE (*Query*)

Mr. Speaker: We shall now take up yesterday's calling-attention notice. Now, Shri Hari Vishnu Kamath.

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : अध्यक्ष महोदय, मैं ने एक काम-रोको प्रस्ताव दिया था, जिस का सम्बन्ध एक बड़े महत्वपूर्ण विषय से है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं उस को इस तरह से नहीं ले सकता हूं ।

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : अध्यक्ष महोदय, मैं ने कल अपने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के बारे में जब कहा था, तो आप ने कहा था, कि आप मुझ को मौका देंगे । उस का संबंध बम्बई की इन्दु ग्रुप की मिलों से है । 22 हजार मजदूरों का सवाल है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं उस को इस तरह नहीं उठाने दूंगा ?

श्री मधु लिमये : तो किस तरह उठाने देंगे ? वह लाखों लोगों की जिन्दगी और मौत का सवाल है । आखिर यह लोक सभा काहे के लिए है ?

अध्यक्ष महोदय : वह मैं समझता हूं ।

श्री मधु लिमये : आप बतायें कि आप कब बुलायेंगे—आज बुलायेंगे, बाद में बुलायेंगे, कल बुलायेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : मैं अब नहीं कह सकता ।

श्री मधु लिमये : यह मामला 22 हजार मजदूरों का है । ये मिलें बन्द होने जा रही हैं । सरकार ने उन को हाथ में लिया था । सरकार ने उन को अच्छी स्थिति में लाने के बाद फिर मिल-मालिकों के हाथ में दे दिया । एक करोड़ रुपये का उस वक्त नफ़ा हो गया था । मिल-मालिकों ने फिर उस को बर्बाद कर दिया । अगर आप इस मामले को उठाने